लीगल एजुकेशन में प्रैक्टिकल एप्रोच अपनाने की आवश्यकता

जागरण संवाददाता, देहरादून: यूपीईएस यूनिवर्सिटी ने 'लीगल इंडस्ट्री के भविष्य और उन्नत तकनीक के दौर में उभरते अवसर' विषय पर एक सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें विषय विशेषज्ञ, प्रैक्टिशनर, शिक्षाविद् और छात्र शामिल हुए। इस दौरान विधि क्षेत्र में टेक्नोलाजी के प्रभाव के साथ ही इस बात पर चर्चा की गई कि भावी अधिवक्ता बदलते माहौल में खुद को कैसे ढालें।

बांबे बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन ठक्कर ने कहा कि आज के युवा पेशेवर न केवल तकनीकी का प्रयोग बल्कि भरपूर प्रयोग करते हैं। नए युग के लीगल टेक्नोलाजी सोलूशन्स को अपनाने के लिए मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता है। टेक्नोलाजी को केवल एक टूल के रूप में नहीं बल्कि शिक्षा और अभ्यास के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखना चाहिए। टेक्नोलाजी का आधुनिकीकरण वकीलों की क्षमता बढ़ाने, लागत कम करने और रणनीतिक प्रयासों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करती है। यूपीईएस स्कूल आफ ला के डीन डा. अभिषेक सिन्हा ने कहा कि टेक्नोलाजी के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में भावी वकीलों के लिए वर्कफ़्लो में एआई जैसे उपकरणों को एकीकृत करना अनिवार्य है।